

मुलजिम की हाजरी बाबत मुचलका व जमानत नामा

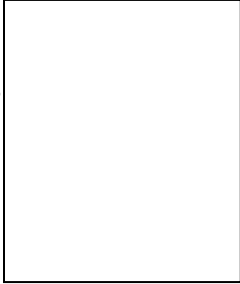
(जाब्ता फौजदारी दफा-91)

व अदालत श्रीं

..... बनाम

मजिस्ट्रेट दर्जा

मुकदमा नम्बर



मैं वल्द कौमं

साकिन

..... पर जुर्म

आयद किया जाकर मुझे साहब मजिस्ट्रेट के रुबरु हाजिर किया गया है और मुझे इस अदालत में हाजरी बाबत मुचलका मतलुब होने से मैं अपने आपको इस बात के लिए पाबन्द करता हूँ कि इस जुर्म के दरियाफ्त और तहकीकात के मुताबिक तारीख पेशी/...../201..... व हर पेशी पर या जब भी हाजरी मतलुब होगी मैं मजिस्ट्रेट मजकूर की अदालत या जिस अदालत में मेरा मुकद्दमा मुन्तिकिल किया जाएगा, हाजिर हो जाऊंगा और गलती करुंगा तो ₹/— अक्षरे₹ राजस्थान सरकार मैं मुझ से जब्त कर लिया जाने का मैं अपने आपको पाबन्द करता हूँ ।

तारीख.....माह.....सन् 201.. दस्तखत

मैं वल्द कौमं

साकिन

मुश्तकरन व मुनफरदन अपने आपको या हर एक जरिये हाजिर मजकूर के जामिन करार देता हूँ/देते हैं कि उसके खिलाफ आयद किए हुए जुर्म की दरियाफ्त और तहकीकात के मुताबिक हर तारीख पेशी...../...../201..... पर या जब कभी इसकी हाजरी मतलुब होगी या जिस अदालत में मुकद्दमा मुन्तिकिल किया जायेगा पेश करूंगा और इसमें गलती करूंगा तो ₹/— अक्षरे₹ राजस्थान सरकार मैं मुझ से जब्त किये जाने का मैं/हम अपने आपको पाबन्द करता हूँ/करते है ।

तारीख.....माह.....सन् 201... दस्तखत

तस्दीक

मैं वल्द कौमं

साकिन जिला तस्दीक करता हूँ मुसम्मी

..... वल्द कौमं साकिन

..... की हैसियत/— ₹ की है और इसके खुद का मकान भी है । इसको मैं जानता हूँ ।

फक्त तारीख.....माह.....सन् 201... दस्तखत